(1)

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर

हायर सेकेण्डरी सर्टिफिकेट परीक्षा वर्ष 2008–09

मॉडल प्रश्न पत्र (Model Question Paper)

कक्षाः–	12 वीं	**Class**	**12th**
विषयः–	सामान्य हिन्दी	**Subject:-**	**General Hindi**
समयः–	3 घण्टे	**Time:-**	**3 Hours**
पूर्णांकः–	100	**Maximum Marks :-**	**100**

निर्देशः–
1. सभी प्रश्न हल कीजिये ।
2. प्रत्येक प्रश्न के सामने निर्धारित अंक दिए गए है ।

प्रश्न 1– तत्सम शब्द लिखिए – (2)

1. किसान, 2. पत्ता
3. सूरज 4. आँसू

प्रश्न 2– समास विग्रह कर नाम लिखिए (2)

1. नीलकमल ।
2. त्रिभुवन

प्रश्न 3– पर्यायवाची शब्द लिखिए – (2)

1. कमल ।
2. गणेश ।

प्रश्न 4 मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए – (2)

1. आँखें का तारा ।
2. चुल्लू भर पानी में डूब मरना ।

प्रश्न 5– दिये गये शब्द समूह के लिए एक शब्द लिखिए – (2)

1. किये गये उपकार को जो न मानता हो ।
2. जो क्षमा करने योग्य है ।

प्रश्न 6– निम्नलिखित शब्दों (तत्सम) के स्थान पर अंग्रेजी के शब्द लिखिए । (2)

1. महाविद्यालय
2. चिकित्सालय

प्रश्न 7– निम्नलिखित उपसर्ग लगाकर दो–दो शब्द बनाइए । (2)

1. परि, 2. अभि

प्रश्न 8– शुक्ल युग के तीन निबंधकारों क नाम लिखिए । (3)

प्रश्न 9– भारतीय संस्कृति के मूल स्त्रोत में अहिंसा का क्या स्थान है ? (4)

प्रश्न 10– शरदचंन्द्र पुलिस के गाड़ी में ही नगर का दौरा क्यों करना चाहते है ? (4)

प्रश्न 11– मधु के चरित्र की चार विशेषताएं लिखिए । (4)

प्रश्न 12– क्या बैठे हो न्यारे–न्यारे मिलकर बोझ उठाओं में निहित भाव व्यंजना विस्तार से लिखिए । (5)

प्रश्न 13– श्री कृष्ण को जन्म की पूंजी बताकर मीरा क्या व्यक्त करना चाहती है ? (5)

प्रश्न 14– निम्नलिखित अंशों का भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए । (5)

1. ''कर्तव्य न्याय पर निर्भर है ।''
2. बहुत से व्यक्ति नीति और आवश्यकता के बहाने झूठ की रक्षा करते है ।

प्रश्न 15– ''ममता'' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । (5)

प्रश्न 16– निम्नलिखित पद्यांश का प्रसंग सहित अर्थ लिखिए । (5)

संकट अपना सजग सहोदर इसको कंठ लगाओं,
क्या बैठे हो न्यारे–न्यारे मिलकर बोझ उठाओ ।
भाग्य भरोसा कायरता है ।
कर्मठ देश कहाँ मरता है ।
सोचो तुमने इतने दिन में कितनी बार हुँकारा,
जीना है तो मरना सीखों गूँज उठे, यह नारा
सारा देश हमारा ।

अथवा

बसौं मोरे नैनन में नंदलाल ।
मोर मुकुट मकराकत कुंडल अरून तिलक दिए माल ।
मोहनी मूरति सांवरि सूरति नैना बने विसाल ।
अधर सुधा–रस मुरली राजति उर वैजंती माल ।
छुद्र घंटिका कटिं कटिं तटि सोभित नुपूर सबद रसाल ।
मीरा प्रभु संतन सुख दाई, भगत बछल गोपाल ।

प्रश्न 17— निम्न लिखित गद्यांश का प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए । (5)

अ. चिंता को लोग चिता कहते है । जिसमें किसी प्रचंड चिंता ने पकड़ लिया है उस बेचारे की जिन्दगी ही खराब हो जाती है । किन्तु ईर्ष्या शायद चिंता से भी बदत्तर चीज है, क्योंकि वह मनुष्य के मौलिक गुणों को कुंठित ही बना डालती है ।

अथवा

ब. दुख सहना वीरों का काम है । अपने दुख में सज्जन पुरूष किसी को कष्ट नहीं देते और उसे शांति से सहते है । रोग मानने से बढ़ता है । रोग की सबसे अच्छी औषधि निराहार है । घर ही उत्तम शिक्षालय है । सफल पुरूष पाठशाला में नहीं जीवन शाला में अध्ययन करते हैं ।

प्रश्न 18— ईर्श्या पाठ से हमें क्या प्रेरणा मिलती है ? (6)

प्रश्न 19 लोग मिठाई मांगना भूलकर शुक्ल जी के प्रति सहानुभूति क्यों प्रगट करने लगे । (6)

अथवा

संसार रूपी परीक्षा स्थल में सफलता पाने का क्या रहस्य है ?

प्रश्न 20— आचार्य रामचन्द्र शुक्ल अथवा मीरा बाई का संक्षिप्त परिचय निम्न बिन्दुओं पर दीजिए । (6)

1. रचनाएँ
2. भषा शैली, भाव पक्ष
3. साहित्य में स्थान

प्रश्न 21. आपकी सहेली बोर्ड की परीक्षा में प्रथम रहीं हैं, उसे एक बधाई पत्र लिखिए । (अंक 7)

अथवा

अपने जिलाधीश को ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए एक पत्र लिखिए ।

प्रश्न 22. स्वतंत्रता मिलने के पश्चात् स्वतंत्रता का आंदोलन समाप्त हो गया, परन्तु राष्ट्रभाषा का आन्दोलन आज भी चल रहा है और उस समय तक चलता रहेगा जब तक कि समस्त देश एक भाषा के सुवर्ण सूत्र में आबद्ध नहीं हो

जाता और वह सूत्र एक भाषा का है, हिन्दी के लिए हिन्दी का । हमें हिन्दी के प्रचार–प्रसार के लिए काम करना चाहिए ताकि राष्ट्रभाषा हिन्दी को सम्मानजनक स्थान मिल सके । हिन्दी को हमारे संविधान में राष्ट्रभाषा घोषित किया गया है ।

उपरोक्त गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

प्रश्न 1. राष्ट्रभाषा का आन्दोलन कब तक चलता रहेगा ? (2)

प्रश्न 2. इसका उचित शीर्षक दीजिए । (2)

प्रश्न 3. गद्यांश का सारांश लिखिए । (2)

प्रश्न 23. किसी एक विषय पर 250 शब्दों में निबंध लिखिए – (अंक 10)

1. जीवन में खेलों का महत्व ।
2. पर्यावरण प्रदूषण एक समस्या ।
3. राष्ट्र निर्माण में छात्रों का योगदान ।
4. विज्ञान के बढ़ते चरण ।

--------X--------